Roll No. ..... Total Pages : 3

MDQ/M-20 **7674**

कबीरदास

Paper–X (HI-121)

Opt. (i)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) सतगुरु लई कमांण करि, बांहण लागा तीर।
एक जु बाह्याप्रीति सूं, भीतरि रह्या शरीर।।

(ख) कबीर सूता क्या करै, काहै न देखै जागि।
जाका संग तै बीछुड्या ताही के संग लागि।।

(ग) कबीर तन मन यौं जलया, विरह अगनि सूँ लागि।
मृतक पीड़न जांड़ई, जांठोगी यहु आगि।।

(घ) कबीर हरि सर यौं पिया, बाकी रहीन थाकि।
पाका कलस कुंभार का, बहुरि न चढ़ई चाकि।।

(ङ) मनिषा जनम दुलभ है, देह न बारंबार।
तरवर थैं कल झड़ि पड़या, बहुरि न लगै डार।

(च) मन गोरख मन गोविन्दौ, मन ही औघड़ होइ।
जे मन राखै जतन करि, तौ आपै करता सोइ।। (7×3=21)

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए:

(क) कबीरदास की सौन्दर्य-भावना का वर्णन कीजिए।

(ख) कबीर की प्रतीक-योजना पर प्रकाश डालिए।

(ग) कबीरदास की रस-योजना का वर्णन कीजिए।

(घ) आधुनिक संदर्भों में कबीर काव्य की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए।

(ङ) कबीर की उलटबांसियों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

(च) कबीरदास का प्रेम निरूपण का वर्णन स्पष्ट कीजिए।

(12×3=36)

3. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर दीजिए:

(क) समन्वयवाद।

(ख) मध्यकालीन विचारकों में कबीर का स्थान।

(ग) कबीर का काव्य रूप।

(घ) कबीर की रचनाशैली।

(ङ) कविता का मानदण्ड और कबीर।

(च) शून्य पारिभाषिक शब्द।

(छ) निरंजन।

(ज) बिन्दू।

(झ) नाद।

(ञ) उन्मनि। (3×5=15)

4. सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) कबीरदास ने अपने काव्य में संसार को क्या माना है?

(ख) कबीरदास की दास्यासक्ति का एक उदाहरण लिखो।

(ग) कबीरदास ने अपनी उलटबाँसियों को किस नाम से अभिहित किया है?

(घ) किस विद्वान ने कबीर की उलटबाँसियों का 'सन्ध्या-भाषा' से सम्बन्ध स्थापित किया है?

(ङ) 'ग्यान बिरह कौ अंग' में संकलित साखियों में कबीर ने किसके महत्त्व को स्वीकार किया है?

(च) कबीर किस शासक के समकालीन थे?

(छ) कबीर ग्रंथावली का प्रकाशन कहाँ से किया गया?

(ज) 'कबीर ग्रंथावली' के दूसरे भाग में कबीर की कौन-सी रचनाएँ संकलित हैं? (1×8=8)